आर्थिकी मजबूत करेंगे काशी संग सात जिले

नीति आयोग ने सात जिलों को मिलाकर पर्यटन प्राधिकरण बनाने का फैसला किया

जेपी पांडेय • जागरण

वाराणसी : प्रदेश की भाजपा सरकार पूर्वांचल में पर्यटन को बढ़ावा देने, इस क्षेत्र की आर्थिकी मजबूत करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने को लेकर पर्यटन प्राधिकरण का गठन करने जा रही है। सरकार ने नीति आयोग की पहल पर यह कदम उठाया है। इसके तहत वाराणसी को केंद्र बनाकर इसके आसपास के छह जिलों चंदौली, मीरजापुर, गाजीपुर, भदोही, जौनपुर और प्रयागराज में पर्यटन और विकास कार्यों को बढ़ाया जाएगा। पर्यटन प्राधिकरण इन जिलों की खूबियों और व्यासायिक संभावनाओं की पहचान करेगा और उन्हें नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

पिछले दिनों वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए नीति आयोग की टीम के साथ हुई बैठक में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के अधिकारियों ने इन सातों जिलों के प्रमुख मंदिरों, गंगा घाटों, पुरातात्विक धरोहरों और पर्यटन क्षेत्रों के विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। वीडीए के सचिव डा. वेद प्रकाश मिश्रा व नगर नियोजक प्रभात कुमार ने प्रजेंटेशन देने के साथ सूची प्रस्तुत की। नीति आयोग ने देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने और वर्ष 2047 तक देश की इकोनामी को 30 ट्रिलियन डालर तक ले जाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य पूरा करने के लिए देश के चार महानगरों में सलेक्टिव आर्थिक गतिविधियों को तीव्रता देने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई महानगर क्षेत्र, गुजरात में सूरत, आंध्रप्रदेश में विशाखापट्नम और पूर्वांचल में वाराणसी को केंद्र बनाकर सात जिलों का चयन किया गया है। नीति आयोग का मानना है कि पूर्वांचल में चुने गए इन सातों जिलों में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और रोजगार निर्माण का लाभ पूरे पूर्वांचल और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा।

ओडीओपी में हैं शामिल

ओडीओपी में बनारस सिल्क साड़ी, प्रयागराज में मूंज, भदोही में कालीन, चंदौली में काला चावल, मीरजापुर में कालीन के पीतल, जौनपुर में वूलन कार्पेट, गाजीपुर में वाल हैंगिंग।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन प्राधिकरण गठन करने पर विचार किया गया है। इनमें सात जिलों को लिया गया है। टीम जल्द ही फिर बनारस आएगी। निर्णय शासन को लेना है।

–पुलकित गर्ग, उपाध्यक्ष, वीडीए

बड़े स्तर पर हो सकता कारोबार

वाराणसी, प्रयागराज सहित पूर्वांचल के इन सातों जिलों का कुल क्षेत्रफल 22,393 वर्ग किमी और आबादी 2.37 करोड़ से अधिक है। नीति आयोग का मानना है कि वाराणसी में पहले से पर्यटन, मेडिकल, शिक्षा के क्षेत्र के अलावा हैंडलूम का कारोबार बेहतर अवस्था में है। बेहतर नियोजन से इसे और बड़े पैमाने पर किया जा सकता है और बड़ी कंपनियों को लाया जा सकता है। प्रयागराज में शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य और फूड प्रोडेक्शन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। मीरजापुर और भदोही में कालीन उद्योग, चंदौली में चावल, गाजीपुर में फूड, केमिकल, जौनपुर में टेक्सटाइल्स, नान मैटेलिक आदि क्षेत्र में बेहतर काम किया जा सकता है।

प्रमुख मंदिरों, घाटों, पुरातात्विक धरोहरों को विकसित करने को लेकर विकास प्राधिकरण के साथ की गई चर्चा

जिला	आबादी	क्षेत्र किमी.
चंदौली	19.52 लाख	2541
गाजीपुर	36.20 लाख	3377
जौनपुर	44.20 लाख	4038
मीरजापुर	24.96 लाख	4405
भदोही	15.78 लाख	1015
वाराणसी	36.76 लाख	1535
प्रयागराज	59.54 लाख	5482

परिवहन व्यवस्था पर जोर

पर्यटकों के आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो, उन्हें अच्छी परिवहन व्यवस्था मिले, इसे लेकर रेल और सड़क परिवहन व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने की ओर देखा जा रहा है। सरकारी और निजी बसों की संख्या, इनकी फ्रिक्वेंसी, परिवहन के अन्य साधनों पर भी नजर है। इसमें और क्या करने की जरूरत है, इस पर चर्चा हुई।